Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the *'Committee on Publication Ethics'*

Online ISSN:2584-184X

Research Article

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में शिक्षक शिक्षा की भूमिका

सुजाता [1*], प्रो. (डॉ.) अजय कुमार दुबे [2]

[1] शोध छात्रा, शिक्षक शिक्षा विभाग, टी.डी.पी.जी. कॉलेज , जौनपुर उत्तर प्रदेश भारत

[2] प्रोफेसर, शिक्षक शिक्षा विभाग, टी.डी.पी.जी. कॉलेज ,जौनपुर उत्तर प्रदेश भारत

Corresponding Author: * सुजाता

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.21599948

Abstract

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करने वाली एक दूरदर्शी नीति है। इसका उद्देश्य शिक्षा को समावेशी, गुणवत्तापूर्ण, बहुविषयक, कौशल-आधारित तथा भारतीय ज्ञान परंपरा से समृद्ध बनाना है। इस नीति के सफल क्रियान्वयन में शिक्षक शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक प्रशिक्षित, दक्ष एवं नवाचारी शिक्षक ही नीति के उद्देश्यों को वास्तविक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में परिवर्तित कर सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षक शिक्षा को शिक्षा सुधार का आधार माना गया है तथा शिक्षक तैयारी, व्यावसायिक विकास, तकनीकी दक्षता एवं नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया गया है।

प्रस्तुत शोध-पत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में शिक्षक शिक्षा की भूमिका का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। अध्ययन में शिक्षक शिक्षा के वर्तमान स्वरूप, नीति में वर्णित प्रमुख प्रावधानों, समेकित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP), सतत व्यावसायिक विकास (CPD), डिजिटल दक्षता, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा शिक्षक शिक्षा संस्थानों की भूमिका का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध पद्धति पर आधारित है तथा द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त तथ्यों का समालोचनात्मक अध्ययन किया गया है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों की सफलता शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता, प्रशिक्षण व्यवस्था, संस्थागत सहयोग एवं सतत व्यावसायिक विकास पर निर्भर करती है। यदि शिक्षक शिक्षा संस्थानों को आधुनिक संसाधनों, शोध संस्कृति एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण से सुदृढ़ किया जाए, तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों की प्रभावी प्राप्ति सुनिश्चित की जा सकती है।

Manuscript Information

- **ISSN No:** 2584-184X
- **Received:** 07-06-2026
- **Accepted:** 22-07-2026
- **Published:** 26-07-2026
- **MRR:**4(7); 2026: 213-216
- **©2026, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

How to Cite this Article

सुजाता, दुबे अ. कु . राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में शिक्षक शिक्षा की भूमिका. Indian J Mod Res Rev. 2026;4(7):213-216.

Access this Article Online

www.mrrjournal.in

कुंजी शब्द: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षक शिक्षा, शिक्षक प्रभावशीलता, व्यावसायिक विकास, *ITEP, CPD,* भारतीय जान परंपरा।

© 2026 सुजाता, प्रो. (डॉ.) अजय कुमार दुबे. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

प्रस्तावना

किसी भी राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता उसके शिक्षकों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। शिक्षक केवल ज्ञान के संप्रेषक नहीं होते, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक मूल्यों के विकास, लोकतांत्रिक चेतना के संवर्धन तथा राष्ट्रीय विकास के प्रमुख आधार होते हैं। इसलिए शिक्षक शिक्षा किसी भी शिक्षा व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण घटक मानी जाती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षक शिक्षा को शिक्षा सुधार की आधारशिला के रूप में स्वीकार किया है। नीति का स्पष्ट मत है कि यदि शिक्षक गुणवत्तापूर्ण, प्रशिक्षित, शोधोन्मुख एवं नवाचारी होंगे, तभी शिक्षा व्यवस्था में अपेक्षित परिवर्तन संभव होगा। इसी उद्देश्य से नीति में शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के पुनर्गठन, चार वर्षीय समेकित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (Integrated Teacher Education Programme-ITEP), सतत व्यावसायिक विकास (Continuous Professional Development-CPD), डिजिटल दक्षता, समावेशी शिक्षा तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेशन पर विशेष बल दिया गया है।

वर्तमान समय में शिक्षा केवल विषय-ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता, समस्या समाधान, सहयोगात्मक अधिगम, नैतिक मूल्यों एवं तकनीकी दक्षता का समन्वय आवश्यक हो गया है। ऐसी परिस्थितियों में शिक्षक शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है कि वे ऐसे शिक्षकों का निर्माण करें जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर सकें।

इस प्रकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन का आधार केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन नहीं, बल्कि शिक्षकराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 यह भी स्पष्ट करती है कि शिक्षक शिक्षा केवल प्रारंभिक प्रशिक्षण तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि सेवा काल के दौरान भी शिक्षकों को नवीन ज्ञान, तकनीकी कौशल तथा शोध आधारित शिक्षण विधियों से निरंतर जोड़ना आवश्यक है। इस उद्देश्य की क शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक की सकारात्मक अभिवृत्ति, व्यावसायिक दक्षता एवं संस्थागत सहयोग है। इन्हीं तथ्यों के आधार पर प्रस्तुत शोध-पत्र में शिक्षक शिक्षा की भूमिका का विश्लेषण किया गया है।

विश्लेषणात्मक विवेचन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार लाने वाली एक परिवर्तनकारी नीति है। इस नीति का प्रमुख उद्देश्य ऐसी शिक्षा व्यवस्था का निर्माण करना है जो विद्यार्थियों में ज्ञान, कौशल, नैतिक मूल्यों, सृजनात्मकता तथा राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का विकास कर सके। इन उद्देश्यों की प्राप्ति का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम शिक्षक हैं। इसलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षक शिक्षा को शिक्षा सुधार की आधारशिला माना गया है।

शिक्षक शिक्षा का उद्देश्य केवल अध्यापन कौशल विकसित करना नहीं है, बल्कि शिक्षक को एक संवेदनशील, उत्तरदायी, शोधपरक तथा नवाचारी व्यक्तित्व के रूप में विकसित करना भी है। वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप निरंतर परिवर्तित हो रहा है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अधिगम तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के कारण शिक्षक की भूमिका भी अधिक व्यापक हो गई है। ऐसी परिस्थितियों में शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों का पुनर्गठन समय की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2030 के पश्चात विद्यालयी शिक्षा में नियुक्त होने वाले शिक्षकों के लिए चार वर्षीय समेकित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (Integrated Teacher Education Programme-ITEP) को न्यूनतम योग्यता के रूप में विकसित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विषय ज्ञान, शिक्षण कौशल, विद्यालयी अनुभव, नैतिक मूल्यों तथा अनुसंधान क्षमता का समन्वित विकास करना है। इससे शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा भावी शिक्षक विद्यालयी आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक दक्ष बन सकेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक महत्वपूर्ण पक्ष सतत व्यावसायिक विकास (Continuous Professional Development-CPD) है। नीति के अनुसार प्रत्येक शिक्षक को प्रतिवर्ष न्यूनतम 50 घंटे के व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में सहभागिता करनी चाहिए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधियों, डिजिटल तकनीकों, समावेशी शिक्षा, मूल्यांकन पद्धतियों तथा अनुसंधान आधारित शिक्षण से परिचित कराना है। सतत प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षक अपनी व्यावसायिक दक्षता को निरंतर विकसित करते हैं, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में भी वृद्धि होती है।

डिजिटल शिक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक अन्य महत्वपूर्ण आयाम है। कोविड-19 महामारी के पश्चात डिजिटल शिक्षण की आवश्यकता और अधिक स्पष्ट हुई। नीति शिक्षकों को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT), ई-लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म, वर्चुअल कक्षाओं, डिजिटल मूल्यांकन तथा ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिए प्रशिक्षित करने पर बल देती है। डिजिटल दक्षता केवल तकनीकी कौशल नहीं है, बल्कि शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, सहभागी एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने का माध्यम भी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक शिक्षा, संवैधानिक मूल्यों तथा स्थानीय ज्ञान को शिक्षक शिक्षा का अभिन्न अंग बनाने पर विशेष बल दिया गया है। शिक्षक केवल आधुनिक ज्ञान का संवाहक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, लोकतांत्रिक मूल्यों, पर्यावरणीय चेतना तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक भी है। अतः शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में भारतीय दर्शन, योग, नैतिक शिक्षा, स्थानीय कला एवं संस्कृति तथा भारतीय शैक्षिक चिंतन का समावेश आवश्यक है।

नीति समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) को भी विशेष महत्व देती है। शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में ऐसी प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए जिससे शिक्षक दिव्यांग विद्यार्थियों, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित वर्गों तथा विविध भाषायी एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को समझ सकें। समावेशी दृष्टिकोण अपनाने से शिक्षा में समान अवसर एवं सामाजिक न्याय की स्थापना संभव होगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मचारी नहीं, बल्कि अधिगम का सहायक (Facilitator), मार्गदर्शक (Mentor), शोधकर्ता (Researcher) तथा नवप्रवर्तक (Innovator) माना गया है। इसलिए शिक्षक शिक्षा संस्थानों को ऐसी प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित करनी होगी जो शिक्षकों में आलोचनात्मक चिंतन, समस्या समाधान क्षमता, शोध अभिरुचि तथा नेतृत्व कौशल का विकास कर सके। यही गुण भविष्य की शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाएँगे।

© 2026 सुजाता, प्रो. (डॉ.) अजय कुमार दुबे. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन का आधार शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता है। यदि शिक्षक शिक्षा संस्थान आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, अनुसंधान संस्कृति, डिजिटल दक्षता तथा मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करें, तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों की प्राप्ति अधिक प्रभावी रूप से संभव होगी।

कार्यशैली एवं अनुसंधानात्मक अनुप्रयोग

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक (Descriptive) एवं विश्लेषणात्मक (Analytical) शोध पद्धति का उपयोग किया गया है। अध्ययन मुख्यतः द्वितीयक स्रोतों पर आधारित है। इसके लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षा मंत्रालय, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), यूनेस्को (UNESCO) तथा विभिन्न शोध-पत्रों, पुस्तकों एवं शोध-प्रबंधों का अध्ययन किया गया। उपलब्ध साहित्य का समालोचनात्मक विश्लेषण करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में शिक्षक शिक्षा की भूमिका का विवेचन किया गया।

अध्ययन के दौरान शिक्षक शिक्षा के विभिन्न आयामों, जैसे—प्रारम्भिक शिक्षक शिक्षा, सतत व्यावसायिक विकास, डिजिटल दक्षता, समावेशी शिक्षा, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा शोध संस्कृति—का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। इसके अतिरिक्त यह भी विश्लेषित किया गया कि वर्तमान शिक्षक शिक्षा प्रणाली किस सीमा तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम है।

शोध के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि शिक्षक शिक्षा केवल शिक्षक तैयार करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता का आधार है। यदि शिक्षक शिक्षा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक, शोध-आधारित शिक्षण तथा विद्यालयी अनुभव को समुचित स्थान दिया जाए तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रभावी क्रियान्वयन संभव हो सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में शिक्षक शिक्षा के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षक शिक्षा में अनेक सुधारों का प्रस्ताव किया है, किन्तु व्यवहारिक स्तर पर इसके क्रियान्वयन में अनेक चुनौतियाँ विद्यमान हैं।

1. गुणवत्तापूर्ण शिक्षक शिक्षा संस्थानों का अभाव
2. प्रशिक्षण कार्यक्रमों की अपर्याप्तता
3. डिजिटल संसाधनों की कमी
4. परिवर्तन के प्रति प्रतिरोध
5. शोध संस्कृति का अभाव
6. विद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा संस्थानों के मध्य समन्वय की कमी
7. भारतीय ज्ञान परंपरा का सीमित समावेश
8. मूल्यांकन प्रणाली की चुनौतियाँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शिक्षक शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के उपाय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षक शिक्षा संस्थानों को बहुआयामी सुधार अपनाने होंगे। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विद्यालयी आवश्यकताओं से जोड़ना, डिजिटल अधोसंरचना को मजबूत करना, सतत व्यावसायिक विकास को अनिवार्य बनाना तथा अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है।

शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य-आधारित शिक्षा, समावेशी शिक्षा, पर्यावरणीय चेतना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल शिक्षाशास्त्र एवं बहुभाषिक शिक्षा को समुचित स्थान दिया जाना चाहिए। साथ ही, शिक्षक-शिक्षकों (Teacher Educators) की गुणवत्ता में सुधार हेतु नियमित उन्नयन कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, शिक्षक शिक्षा संस्थानों तथा शिक्षा विभाग के मध्य समन्वित सहयोग विकसित किया जाए ताकि प्रशिक्षण और व्यवहारिक शिक्षण के मध्य अंतर कम हो सके। इससे शिक्षक शिक्षा अधिक प्रभावी, प्रासंगिक एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बन सकेगी।

सुझाव

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में शिक्षक शिक्षा की भूमिका को अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत किए जाते हैं—

1. शिक्षक शिक्षा संस्थानों के पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों एवं प्रावधानों के अनुरूप किया जाए।
2. चार वर्षीय समेकित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP) को प्रभावी रूप से लागू करते हुए विषय ज्ञान, शिक्षण कौशल एवं विद्यालयी अनुभव में संतुलन स्थापित किया जाए।
3. प्रत्येक शिक्षक एवं शिक्षक-शिक्षक (Teacher Educator) के लिए सतत व्यावसायिक विकास (CPD) कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएँ तथा नवीन शिक्षण तकनीकों से उन्हें निरंतर अद्यतन रखा जाए।
4. शिक्षक शिक्षा संस्थानों में डिजिटल अवसंरचना, स्मार्ट कक्षाएँ, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित शिक्षण उपकरण एवं वर्चुअल लर्निंग संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था की जाए।
5. भारतीय ज्ञान परंपरा, संविधानिक मूल्य, नैतिक शिक्षा, पर्यावरणीय चेतना तथा स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में समुचित स्थान दिया जाए।
6. शिक्षक शिक्षा संस्थानों में शोध एवं नवाचार की संस्कृति विकसित की जाए तथा शिक्षक-प्रशिक्षुओं को कार्यवाही अनुसंधान (Action Research) एवं लघु शोध परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
7. विद्यालयों एवं शिक्षक शिक्षा संस्थानों के मध्य समन्वय को सुदृढ़ किया जाए ताकि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान का प्रभावी व्यावहारिक अनुप्रयोग सुनिश्चित हो सके।
8. समावेशी शिक्षा के सिद्धांतों के अनुरूप शिक्षक-प्रशिक्षुओं को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, जिससे वे विविध सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को समझ सकें।

© 2026 सुजाता, प्रो. (डॉ.) अजय कुमार दुबे. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी, बहुविषयक, कौशलोन्मुख एवं ज्ञान-आधारित बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इस नीति की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार शिक्षक तथा शिक्षक शिक्षा प्रणाली है। प्रस्तुत अध्ययन से स्पष्ट होता है कि शिक्षक शिक्षा केवल शिक्षकों को तैयार करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का प्रमुख माध्यम है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षक शिक्षा में अनेक महत्वपूर्ण सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया है। समेकित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP), सतत व्यावसायिक विकास (CPD), डिजिटल दक्षता, भारतीय ज्ञान परंपरा, समावेशी शिक्षा तथा अनुसंधान संस्कृति जैसे प्रावधान शिक्षक शिक्षा को अधिक प्रभावी एवं समकालीन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इन प्रावधानों के माध्यम से ऐसे शिक्षकों का निर्माण किया जा सकता है जो केवल विषय विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि संवेदनशील मार्गदर्शक, नवप्रवर्तक, शोधकर्ता तथा राष्ट्र निर्माण के सक्रिय सहभागी भी हों।

यद्यपि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की दिशा एवं उद्देश्य अत्यंत प्रगतिशील हैं, तथापि इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षक शिक्षा संस्थानों में आधारभूत संरचना का विकास, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता, शोध संस्कृति का संवर्धन तथा संस्थागत सहयोग आवश्यक है। साथ ही, शिक्षक-प्रशिक्षुओं में नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व, समावेशी दृष्टिकोण एवं आजीवन अधिगम की भावना का विकास भी समान रूप से महत्वपूर्ण है।

अतः यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन का वास्तविक आधार सशक्त शिक्षक शिक्षा प्रणाली है। यदि शिक्षक शिक्षा संस्थानों को नीति के अनुरूप सुदृढ़ बनाया जाए तथा शिक्षकों को सतत व्यावसायिक विकास एवं नवाचार के अवसर उपलब्ध कराए जाएँ, तो भारत ज्ञान-आधारित, आत्मनिर्भर एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी शिक्षा व्यवस्था की स्थापना के अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सकेगा।

संदर्भ सूची

1. अग्रवाल रीना. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शिक्षक शिक्षा: एक समालोचनात्मक अध्ययन. भारतीय आधुनिक शिक्षा. 2022;43(1):32-41.
2. खान अय्याज़ अहमद. माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों की पेशेवर आचार नीति का अध्ययन. भारतीय आधुनिक शिक्षा. 2021;42(1):9-18.
3. चित्ररेखा. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और अनुभव आधारित अधिगम. भारतीय आधुनिक शिक्षा. 2021;42(1):19-27.
4. चौधरी बबली. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता संवर्धन में भूमिका. TechnoLearn: An International Journal of Educational Technology. 2024;14(1):21-30.
5. दत्ता इन्द्रजीत. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पश्चात् सेवापूर्व शिक्षक शिक्षा की व्यावसायिक तैयारी: गुणवत्ता सुधार हेतु सुझाव. Voices of Teachers and Teacher Educators. 2022;11(2):67-80.
6. गुप्ता अपेक्षा. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: शिक्षक शिक्षा के संदर्भ में. International Journal of Novel Research and Development. 2024;9(10):a738-a742.
7. सिंह राजीव कुमार, कथूरिया सुनीता जे. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में शिक्षक शिक्षा एवं बहुभाषिक कक्षाएँ. International Journal of Research – Granthaalayah. 2024;12(12):1-11.
8. शिवलिंगप्पा वी, नारायणप्पा वेंकोबा. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: समेकित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP) की संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ. ShodhKosh. 2024;5(7SE):208-211.
9. शर्मा सीमा. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शिक्षक व्यावसायिक विकास. शोध दिशा. 2022;16(2):45-53.
10. श्रीवास्तव आरके. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में शिक्षक शिक्षा की भूमिका. Education Plus. 2023;8(1):62-71.
11. वसावा दिलीपभाई जे. बी.एड. पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन: शैक्षणिक सुधारों का समालोचनात्मक अध्ययन. अनुसंधानवल्लरी. 2024;6(4).
12. वर्मा ममता. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षक प्रभावशीलता: एक अध्ययन. शिक्षा विमर्श. 2023;14(2):88-96.
13. यादव अशोक कुमार. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में शिक्षक शिक्षा की चुनौतियाँ. समकालीन शिक्षा शोध पत्रिका. 2022;11(1):74-82.

Creative Commons License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution–Non-commercial–No Derivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) License. This license permits users to copy and redistribute the material in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and the source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted.

About the Author

सुजाता शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में शोधरत शोध छात्रा हैं तथा टी.डी.पी.जी. कॉलेज, जौनपुर, उत्तर प्रदेश से संबद्ध हैं। उनकी शैक्षणिक रुचि शिक्षक शिक्षा, शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं, शैक्षिक नवाचार, पाठ्यचर्या विकास एवं समकालीन शिक्षा संबंधी विषयों में है। वे गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में सार्थक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

© 2026 सुजाता, प्रो. (डॉ.) अजय कुमार दुबे. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/